CAREERINDIA

अङ्क — योजना (Marking Scheme) XII Class 2018

संस्कृतम्(ऐच्छिकम्) (Sanskrit Elective) Set 4 (Code 49) SGN

दिशा -निर्देश

1) कुछ प्रश्नों के विकल्पात्मक उत्तर भी हो सकते हैं | इस अङ्क योजना में दिए गए उत्तर निर्देशनात्मक हैं | इनके अतिरिक्त भी संदर्भानुसार सही उत्तर हो सकते हैं, अतः अङ्क दिए जाएं |
2) अनुच्छेद अथवा श्लोकों पर आधारित प्रश्न अवबोधनात्मक हैं | विद्यार्थी अनुच्छेद में दिए गए शब्दों के स्थान पर पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग भी कर सकते हैं इसके लिए भी अङ्क दिए जाएं | विद्यार्थी उत्तर देते समय उपयुक्त विभक्ति अथवा वचन का प्रयोग नहीं करते तो अंशतः अङ्क काटे जाएँ सम्पूर्ण नहीं |
3) त्रुटिपूर्ण वर्तनी अथवा व्याकरणात्मक प्रयोगों के लिए अनुपाततः अङ्क काटे जाएँ न कि पूरे अङ्क |
4) आंशिक दृष्टि से सही उत्तरों के लिए भी अंशतः अङ्क अवश्य दिए जाएं |

संकेतात्मक उत्तर व अङ्क विभाजन :

खण्ड: 'क' (Section –A) (अपठित अवबोधनम्) 15 अङ्का:

1) (क) प्रथमः अनुच्छेद: —

(अ) एकपदेन उत्तरत | प्रत्येक भाग के लिए ½ अङ्क | (½ X2 = 1)

(i) सभ्यता:

(ii) मैसोपोटामियासभ्यता

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत – एक प्रश्न | (2 अङ्क) | (2x1= 2)

नदीतटेषु प्राचीन सभ्यतानां विकासकारणमिदमस्ति यत् मानवीयवसतीनां स्थापनार्थं या: मौलिका: आवश्यकता: भवन्ति तासाम् आपूर्ति: नदीतटेषु सुलभा आसीत् |

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत – चार प्रश्न | प्रत्येक भाग के लिए ½ अङ्क | (½ x 4= 2)

(i) प्राचीन (ii) ता: / सभ्यता: (iii) नदी (iv) आवश्यकताभ्य: |

(ख) द्वितीय: अनुच्छेद: —

अ) एकपदेन उत्तरत | प्रत्येक भाग के लिए 1 अङ्क | (1x2= 2)

(i) पञ्चतन्त्रे (ii) वानरः |

www.careerindia.com

CAREERINDIA

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत – एक प्रश्न | 2 अङ्क |

इयं कथा शिक्षयति यद् अविश्वस्ते विश्वासो नैव करणीय : | (1X2=2)

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत – चार प्रश्न | प्रत्येक भाग के लिए ½ अङ्क | (1x4= 4)

(i) मकरः (ii) शिक्षाम् (iii) मकराय (iv) मधुराणि |

(द) मकर – वानर- कथा इत्यादि कोई उपयुक्त शीर्षक | (2)

खण्डः 'ख' (Section – B (रचनात्मकं कार्यम्) 15 अङ्काः

2) कथालेखनम् – रिक्त स्थान | प्रत्येक भाग के लिए 1 अङ्क | (1x10=10)

(i) वटवृक्षः
(ii) खगाः
(iii) उत्थाय
(iv) प्रत्यावर्तन्ते
(v) व्याधः
(vi) तण्डुलकणान्
(vii) प्रासारयत्
(viii) प्रतीक्षाम्
(ix) कपोतराजः
(x) दृष्ट्वा

3) अनुच्छेदलेखनम् - **गङ्गासागरमेलकम्** (1x5= 5)

छात्रों से प्रदत्तविषयाधारित सरल, संक्षिप्त वाक्य अपेक्षित है | केवल वाक्य की शुद्धता देखी जाए | इस प्रश्न का प्रमुख उद्देश्य वाक्य रचना है | वाक्य लघु अथवा दीर्घ हो यह महत्त्वपूर्ण नहीं | व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध होने पर पूर्ण अङ्क दिए जाएँ | मंजूषा में दिए गए शब्द सहायतार्थ हैं, छात्र शब्द चुने अथवा नहीं – आवश्यक नहीं | वे स्वयं शब्दों का प्रयोग कर वाक्य--निर्माण कर सकते हैं | छात्र स्वयं भी मंजूषा में दिए गए शब्दों की विभक्तियाँ आदि भी बदल सकते हैं अतः अङ्क दिए जाएँ | त्रुटियों के अङ्क काटे जाएँ | पूर्णतया शुद्ध होने पर ही 5 अङ्क दिए जाएं | प्रत्येक वाक्य के लिए 1 अङ्क है |

खण्डः 'ग' (SECTION – C) (पठितांश अवबोधनम् संस्कृतसाहित्यस्य परिचय: च) 50 अङ्काः

4) (क) <u>पद्यम्</u> (अ) एकपदेन उत्तरत | प्रत्येक के लिए ½ अङ्क | (1/2X 2= 1)

(i) क्षितीशम् (ii): वरतन्तोः

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत – एक प्रश्न के लिए 2 अङ्क | (2)

राज्ञा यज्ञे स्वकीयं सर्वं कोषजातं निःशेषतां नीतम् |

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत — 2 अङ्क | (1x2= 2)

(i) अध्वरे (ii) गुरुः

www.careerindia.com

(ख) **गद्यांश:** (अ) एकपदेन उत्तरत------ दो प्रश्न | प्रत्येक के लिए ½ अङ्क | (½ x2 = 1)

(i) श्रीनायारः (ii) अश्रुधारा |

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत – एक प्रश्न के लिए 2 अङ्क | (2)

श्रीनायारः कार्यालयलिपिकं दायित्वहस्तान्तरणपत्रं सज्जीकर्तुम् आदिशत् |

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत — 2 अङ्क | (1x2= 2)

(i) आर्द्रीकरोति |

(ii) अधुना

(ग) **नाट्यांश:** (अ) एकपदेन उत्तरत------ दो प्रश्न | प्रत्येक के लिए ½ अङ्क | (½ x2 = 1)

(i) श्रीरामः (ii) अश्वः

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत – एक प्रश्न के लिए 2 अङ्क | (2)

अयम् अश्वः सप्तलोकैकवीरस्य (दशकण्ठकुलद्विष:) श्रीरामस्य अस्ति |

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत — 2 अङ्क | (1x2= 2)

(i) दशकण्ठ:

(ii) विजयिनाम्

5) <u>शब्दार्थ – सम्बन्धी</u> इस प्रश्न में छात्र केवल क्रमसंख्या भी लिख सकते हैं, अङ्क दिए जाएँ | वर्तनी आदि की दृष्टि से अङ्क अंशतः ही काटे जाएँ | प्रत्येक भाग के लिए 1x2 अङ्क | (1/2x4 = 2)

(अ) सूर्य:

(ब) सततम्

(स) आम्रम्

(द) अधुना

6) प्रश्न निर्माण सम्बन्धी — इस प्रश्न में छात्र केवल उत्तर लिख सकते हैं अत: अङ्क दिए जाएँ | वर्तनी आदि की दृष्टि से अङ्क अंशतः ही काटे जाएँ | प्रत्येक भाग के लिए 1 अङ्क | (1x4= 4)

(i) कः (ii) काम् (iii) के (iv) केषाम् |

7) **<u>भाव – सम्बन्धी</u>** — इस प्रश्न में छात्र केवल उत्तर लिख सकते हैं | प्रत्येक के लिए ½ अङ्क | (1/2x12 = 6)

(अ) (i) वस्तुज्ञातम् (ii) व्याप्तम् (iii) संसारस्य

(iv) कस्यचिद् (v) धनम् (vi) भव |

(ब) (i) कमलशोभितम् (ii) सर्वत्र (iii) हंसस्य |

(iv) अन्यत्र (v) लभते (vi) रमते |

8) **<u>अन्वय - समबन्धी</u>** — इस प्रश्न में छात्र केवल उत्तर लिख सकते हैं | प्रत्येक भाग के लिए ½ अङ्क | (½ x 6= 3)

(अ) (i) गुरुदक्षिणायै (ii) सः (iii) चिराय |

www.careerindia.com

(ब) (i) कुर्वाणः (ii) अपोहति (iii) किमपि |

9) यथानिर्देशम् उत्तरत — इस प्रश्न में छात्र केवल उत्तर लिख सकते हैं | (1/2x4= 2)

(अ) (i) चातकः (ii) अर्दति

(ii) केयूराणि (ii) भूषयन्ति |

(ब) (i) विपुलम् (ii) गुणलुब्धा: | (1x2= 2)

(स) (i) शिववीरस्य (ii) चन्द्रापीडम् | (1x2= 2)

(द) (i) तमः (ii) चपलः | (1x2= 2)

(य) (i) लवः – वटून् (1/2x4=2)

(ii) शुकनास : चन्द्रापीडम्

10) **लेखक व काव्य** — दिए गए उत्तरों के अतिरिक्त भी अन्य उपयुक्त उत्तरों के लिए अङ्क दिए जाएं | उत्तरों में वर्तनी आदि की दृष्टि से अनुपाततः अङ्क काटे जाएं न कि पूर्ण | प्रत्येक भाग के लिए (1) अङ्क |

(अ) (i) भवभूते: नाटकत्रये कस्याप्येकस्य नाम | (1x5=5)

(ii) किरातार्जुनीयम् |

(iii) शिवराजविजय: अथवा कोई अन्य |

(iv) छन्दोमञ्जरी |

(v) किसी एक रचना का नाम |

(ब) (i) बाणभट्ट: (1x5=5)

(ii) भर्तृहरि:

(iii) जगन्नाथ:

(iv) भट्टमथुरानाथशास्त्री

(v) वेदव्यास:

खण्डः 'घ' (SECTION – D) (छन्दोऽलङ्कारा:)	20 अङ्का:

11) **प्रश्नान् उत्तरत :**

(अ) (i) गुरु : (ii) यगण: (1x2= 2)

(ब) (i) उक्ता वसन्ततिलका (ii) ययुतेयं | (1x4=4)

(iii) जतौ तु (iv) मस्जस्तता: सगुरवः / सः सजौसततगा

(स) शार्दूलविक्रीडितम् (ii) मालिनी | (2)

12) शब्दालङ्कारा: — (1x2=2)

(अ) (i) सत्यर्थे पृथगर्थाया: स्वरव्ञ्जनसंहते: | क्रमेण तैनेवावृत्तिर्यमकं विनिगद्यते | उदाहरण इच्छानुसार | (3)

www.careerindia.com

(ii) अनुप्रास: शब्दसाम्यं वैषम्येऽपि स्वरस्य यत् |

(ब) **अर्थालङ्कारा: —**

(i) साधर्म्यमुपमा भेदे (3)

(ii) सामान्यं वा विशेषेण विशेषस्तेन वा यदि |
कार्यं च कारणेनेदं कार्येण च समर्थ्यते |
साधर्म्येणेतरेणार्थान्तरन्यासोऽष्टधा स्मृत: ||

अथवा

भवेदर्थान्तरन्यासोऽनुषक्तार्थान्तराभिधा |
(उपयुक्त उदाहरण) |

(स) अलङ्कारा: — (1x2= 2)

(i) उत्प्रेक्षा (ii) उपमा |

(द) **परिभाषा —** (1x2= 2)

(i) प्रकृतस्य परात्मना (ii) वैषम्येऽपि स्वरस्य यत् |

———————— -------------- X———————————— X----------------------------

www.careerindia.com